राष्ट्रीय शिक्षा नीति -2020 पर आधारित चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम

(जुलाई, 2022 से प्रभावी)

हिंदी साहित्य

हिंदी विभाग

गुरुकुल काँगड़ी (समविश्वविद्यालय),हरिद्वार,उत्तराखंड

(DSC) (MIL) (AECC) (SEC) (DSE) (GE)	Subject Code	Subject Title	Period Per Week			Evaluation Scheme				Subject Total
						Sessional			ESE	
			L	T	P	Credit	CT	TA		
BA I Year										
Semester – I										
MIL-1 (I/II)	BHG-C111	हिन्दी भाषा और सम्प्रेषण	5	1	-	6	20	10	70	100
CORE COURSE-1	BHL-C111	हिन्दी साहित्य का इतिहास	5	1	-	6	20	10	70	100
AECC- (I/II)	BHG -A111	व्यावहारिक हिन्दी	3	1	-	4	20	10	70	100
Semester – II										
MIL-1 (I/II)	BHG-C211	हिन्दी भाषा और सम्प्रेषण	5	1	-	6	20	10	70	100
CORE COURSE-2	BHL-C211	मध्यकालीन हिन्दी कविता	5	1	-	6	20	10	70	100
AECC- (I/II)	BHG -A211	व्यावहारिक हिन्दी	3	1	-	4	20	10	70	100
					Total	**32**				**600**
BA II Year										
Semester – III										
MIL-2 (III/IV)	BHG-C311	हिन्दी भाषा और साहित्य	5	1	-	6	20	10	70	100
CORE COURSE-3	BHL-C311	आधुनिक हिन्दी कविता	5	1	-	6	20	10	70	100
SEC-1	BHL-S311	कार्यालयी हिन्दी	3	1	-	4	20	10	70	100
Semester – IV										
MIL-2 (III/IV)	BHG-C411	हिन्दी भाषा और साहित्य	5	1	-	6	20	10	70	100
CORE COURSE-4	BHL-C411	हिन्दी गद्य साहित्य	5	1	-	6	20	10	70	100
SEC-2	BHL-S411	भाषा शिक्षण	3	1	-	4	20	10	70	100
					Total	**32**				**600**
BA III Year										
Semester – V										
DSE- 1A	BHL-E 511	सूर्यकांत त्रिपाठी निराला	5	1	-	6	20	10	70	100
GE-1	BHL-G 511	सम्पादन कला	5	1	-	6	20	10	70	100
SEC-3	BHL-S 511	भाषा कंप्यूटिंग	3	1	-	4	20	10	70	100
		Total				**32**				**600**
Semester – VI										
DSE-1B	BHL-E 611	तुलसीदास	5	1	-	6	20	10	70	100
GE-2	BHL -G611	सर्जनात्मक लेखन	5	1	-	6	20	10	70	100
SEC-4	BHL-S 611	समाचार संकलन और लेखन	3	1	-	4	20	10	70	100
					Total	**32**				**600**
BA IV Year										
Semester – VII										
DSC-7 A	BHL C 711 A	द्विवेदी युगीन एवं छायावादी काव्य	5	1	-	6	20	10	70	100

DSE-7 B	BHL-E 711 B	लोक साहित्य	5	1	-	6	20	10	70	100
DSC-8A	BHL C 712A	कथेतर गद्य साहित्य	5	1	-	6	20	10	70	100
DSE-8 B	BHL E 712 B	अस्मितामूलक विमर्श और हिंदी साहित्य	5	1	-	6	20	10	70	100
DSC-9A	BHL C 713 A	छायावादोत्तर काव्य	5	1	-	6	20	10	70	100
DSE -9 B	BHL E713 B	भारतीय काव्य धारा	5	1	-	6	20	10	70	100
VAC	BHL -713 P	परियोजना कार्य	6			6				100
Semester – VIII										
DSC-10 A	BHL-C 811 A	राष्ट्रीय काव्यधारा	5	1	-	6	20	10	70	100
DSE-10 B	BHL -E 811 B	शोध प्रविधि	5	1	-	6	20	10	70	100
DSC-11 A	BHL -C 812A	भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा	5	1	-	6	20	10	70	100
DSE-11 B	BHL-E 812 B	प्रेमचंद	5	1	-	6	20	10	70	100
DSC-12 A	BHL-C 813 A	पाश्चात्य काव्यशास्त्र	5	1	-	6	20	10	70	100
DSE-13B	BHL-E 813 B	प्रवासी साहित्य	5	1	-	6	20	10	70	100
VAC	BHL-813 R	लघु शोध प्रबंध	6			6				100
Total			48							800

Discipline Specific Course
Choice Based Credit System
(बी०ए० के समस्त छात्रों के लिए)

BHG-C-111/211
हिन्दी भाषा और संप्रेषण

पूर्णांक - 100 सत्रांत परीक्षा - 70
क्रेडिट - 6 सतत आन्तरिक मूल्यांकन - 30

पाठ्यक्रम

अधिगम परिणाम -

- भाषा सम्प्रेषण के विविध पक्षों का अनुशीलन कर सकेंगे.
- मातृभाषा की भाषायी संरचना का तुलनात्मक पक्ष समझ सकेंगे..
- हिंदी की व्याकरणिक संरचना के अनुप्रयोग से परिचित होंगे.
- लेखन और अभिव्यक्ति कौशल बेहतर होगा.
- हिंदी भाषा एवं संप्रेषण से जुड़े व्यहवारिक अनुप्रयोग का अभ्यास सीख सकेंगे.

इकाई-1

- भाषा की परिभाषा एवं प्रकृति
- भाषा के विविध रूप- बोली, उपभाषा, मातृभाषा, संपर्क भाषा,राजभाषा,राष्ट्रभाषा,अंतरराष्ट्रीय भाषा एवं कूटभाषा.

इकाई-2

- हिन्दी भाषा में शब्द-भेद : संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया, विशेषण एवं अव्यय.
- कारक एवं विभक्ति प्रकरण.

इकाई-3

- हिन्दी की ध्वनि-व्यवस्था : स्वर एवं व्यंजन.
- स्वर के प्रकार - ह्रस्व, दीर्घ तथा प्लुत.
- व्यंजन वर्गीकरण - स्पर्श, अन्तस्थ, ऊष्म, अल्पप्राण, महाप्राण, घोष तथा अघोष.

इकाई-4

- उच्चारण स्थान के आधार पर व्यंजन वर्गीकरण: कंठ्य, तालव्य, मूर्द्धन्य,दंत्य, ओष्ठ्य,कंठतालु, तथा दंत्योष्ठ्य
- समास और सामासिक शब्द

इकाई-5

- भाषा संप्रेषण के चरण : श्रवण, पठन, लेखन तथा अभिव्यक्ति
- हिन्दी वाक्य रचना, वाक्य भेद, वाक्य का रूपान्तर

सहायकग्रंथ

1. सामान्य हिन्दी - डॉ०द्वारिका प्रसाद सक्सेना
2. अपनी हिन्दी सुधारें - डॉ०विजय अग्रवाल
3. व्यावहारिक हिन्दी - डॉ०महेन्द्रमित्तल
4. हिन्दी व्याकरण एवं रचना- वासुदेवनंदन प्रसाद
5. मानक हिन्दी व्याकरण- डॉ. नरेशमिश्र
6. भाषाविज्ञान-भोलानाथ तिवारी
7. हिंदी भाषा -भोलानाथ तिवारी
8. हिंदी भाषा -हरदेव बाहरी
9. हिंदी की आत्मा-डॉ.धर्मवीर

DSC-A-1 (प्रथम सेमेस्टर)

Discipline Specific Course

Choice Based Credit System

बी. ए.

BHL-C-111

हिन्दी साहित्य का इतिहास

पूर्णांक - 100 सत्रांत परीक्षा -70

क्रेडिट - 6 सतत आन्तरिक मूल्यांकन - 30

पाठ्यक्रम

अधिगम परिणाम -

- हिंदी साहित्य के इतिहास लेखन की परंपरा की समझ बढ़ेगी.
- हिंदी साहित्य के इतिहास लेखन परम्परा का आलोचनात्मक मूल्यांकन करेंगे.
- साहित्य और समाज का तुलनात्मक अध्ययन करेंगे.
- साहित्य और समाज के स्वरूप को समझ सकेंगे.
- भारतीय नवजागरण के औचित्य की समझ बढ़ेगी.
- आधुनिक गद्य विधाओं की समझ का विकास होगा.
- भारतीय समाज और संस्कृति के स्वरूप को समझने में यह पाठ्यक्रम सहायक होगा। आदिकाल,मध्यकाल ,रीतिकाल एवं आधुनिक कल के रचनाकरों के सहित्य एवं वैचारिक सरोकार को समझ सकेंगे। नवजागरण के परिप्रेक्ष्य में आर्य समाज की भूमिका को समझ सकेंगे।

इकाई-1

- काल-विभाजन एवं नामकरण
- आदिकालीन काव्य की प्रमुख धाराएं-सिद्ध, नाथ, जैन, रासो, लौकिक काव्य
- आदिकालीन हिन्दी साहित्य की विशेषताएं

इकाई-2

- भक्ति आंदोलन: सामाजिक-सांस्कृतिक पृष्ठभूमि
- निर्गुण काव्यधारा
- सगुण काव्यधारा
- भक्तिकाल की सामान्य विशेषताएं

इकाई-3

- रीतिकाल की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि
- रीतिकाल की प्रमुख काव्यधाराएं- रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध, रीतिमुक्त
- रीतिकाल की प्रमुख विशेषताएं

इकाई-4

- हिन्दी नवजागरण,भारतेन्दुयुगीन साहित्य,द्विवेदी युगीन साहित्य
- छायावाद,राष्ट्रीय काव्यधारा,प्रगतिवाद,प्रयोगवाद,नयी कविता

इकाई-5

- भारतीय नवजागरण में आर्य समाज की भूमिका, दयानंद सरस्वती का हिन्दी गद्य और उसकी विशेषताएं, हिन्दी साहित्यकार के रूप में स्वामी श्रद्धानन्द का मूल्यांकन, भारतेन्दुयुगीन हिन्दी कविता पर आर्य समाज का प्रभाव, द्विवेदी युगीन हिन्दी कविता पर आर्य समाज का प्रभाव.
- आर्य समाज के प्रमुख हिन्दी कवि, नाटककार, कथाकार

सहायक ग्रंथ-

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास - डॉ. नगेंद्र
2. हिन्दी साहित्य का समग्र इतिहास- डॉ. रामकिशोर शर्मा
3. हिन्दी साहित्य का इतिहास - आचार्य रामचंद्र शुक्ल
4. हिन्दी साहित्य का सरल इतिहास - विश्वनाथ त्रिपाठी
5. हिंदी साहित्य की भूमिका-हजारी प्रसाद द्विवेदी
6. हिंदी गद्य का इतिहास -रामचंद्र तिवारी
7. आर्य समाज का इतिहास भाग-5
8. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास - बच्चन सिंह

ABILITY ENHANCEMENT COMPULSORY COURSE

Choice Based Credit System

बी०ए०

BHG-A-111 /211

व्यावहारिक हिन्दी

पूर्णांक - 100 सत्रांत परीक्षा -70

क्रेडिट - 4 सतत आन्तरिक मूल्यांकन -30

पाठ्यक्रम

अधिगम परिणाम -

- हिंदी के व्यवहारिक पक्ष का अनुशीलन कर सकेंगे.
- हिंदी के ऐतिहासिक विकास क्रम को जानेंगे.
- हिंदी के तुलनात्मक अध्ययन से परिचित होंगे.
- हिंदी वाक्य संरचना संबंधी त्रुटियों का विश्लेषण कर सकेंगे.
- लेखन कला में निपुण होंगे.

इकाई-1

- हिन्दी वर्णमाला,स्वर, संयुक्त स्वर, व्यंजन, संयुक्त व्यंजन, अनुस्वार, अनुनासिक, आगत वर्ण (ध्वनि), विराम चिह्नों का प्रयोग
- हिन्दी शब्द भेद ,संज्ञा, सर्वनाम,विशेषण,क्रिया, लिंग, वचन, कारक

इकाई-2

- हिन्दी उद्भव और विकास, पूर्वी तथा पश्चिमी हिन्दी की बोलियों का परिचय, हिन्दी भाषा के विविध रूप, राजभाषा, राष्ट्रभाषा, मातृभाषा, संपर्क भाषा
- देवनागरी लिपि वैज्ञानिकता

इकाई-3

- शब्द रचना उपसर्ग, प्रत्यय, संधि, समास, विलोम शब्द,पर्यायवाची शब्द, शब्द- शुद्धि, शब्द समूह(तत्सम, तद्भव,देशज, विदेशी)
- हिन्दी वाक्य रचना, रचना एवं अर्थ की दृष्टि से वाक्य भेद, वाक्य रचना सम्बन्धी अशुद्धियाँ और उनका शोधन

इकाई-4

- पत्र लेखन, सरकारी पत्र,अर्ध सरकारी पत्र, व्यक्तिगत पत्र
- कार्यालयी हिन्दी टिप्पण, प्रारूपण,पल्लवन,संक्षेपण

सहायक ग्रन्थ

1. आधुनिक हिन्दी व्याकरण और रचना- डॉ. वासुदेवनंदन प्रसाद
2. हिन्दी: शब्द-अर्थ प्रयोग. डॉ. हरदेव बाहरी
3. सामान्य हिन्दी- डॉ. द्वारिका प्रसाद सक्सेना
4. हिंदी व्याकरण - कामताप्रसाद गुरु
5. भाषा विज्ञान-भोलानाथ तिवारी
6. प्रयोजनमूलक हिंदी -राजमणि शर्मा
7. प्रयोजनमूलक हिंदी-डॉ जितेन्द्र वत्स

Discipline Specific Course

Choice Based Credit System

बी.ए.

BHL-C-211

मध्यकालीन हिन्दी कविता

पूर्णांक - 100 सत्रांत परीक्षा - 70

क्रेडिट - 6 सतत आन्तरिक मूल्यांकन - 30

पाठ्यक्रम

अधिगम परिणाम -

- मध्यकालीन साहित्य का अनुशीलन कर सकेंगे.
- मध्यकालीन साहित्य और संस्कृति के तुलनात्मक पक्ष को समझ सकेंगे.
- मध्यकालीन साहित्य के औचित्य का परीक्षण कर सकेंगे.
- मध्यकालीन भाषायी स्वरूप एवं लेखन संबंधी सरोकार का आकलन करेंगे.
- साहित्य का समीक्षात्मक मूल्यांकन कर सकेंगे.

पाठ्य पुस्तक-प्राचीन एवं मध्यकालीन हिन्दी कविता, सम्पादक - डॉ० सुरेन्द्र कुमार,प्रकाशक - हरियाणा साहित्य संस्थान, महाविद्यालय गुरुकुल झज्जर(हरियाणा)

इकाई 1. (व्याख्या हेतु):

(क) कबीरदास: सतगुरु की महिमा, मिथ्या आडम्बर, निराकार ब्रह्म, माया

(ख) सूरदास: विनय के पद, बाललीला-वर्णन

(ग) गो. तुलसीदास: वर्षाऋतु-वर्णन, विनय तथा भक्ति के पद,

इकाई 2. (व्याख्या हेतु):

(क) मीराबाई: भगवत दृष्टा और समर्पण, भगवत- विरह

(ख) बिहारी: भक्ति के दोहे, नीति के दोहे, संगति का प्रभाव

(ग) भूषण: शिवाजी-प्रशस्ति

इकाई-3.

(क)कबीरदास – कबीरदास की भक्ति भावना, समाज सुधार, कबीर की भाषा, दार्शनिक चेतना

(ख)सूरदास – भ्रमरगीत की विशेषताएँ, विरह-वर्णन, सूर का वात्सल्य वर्णन, भक्ति भावना, काव्य कला

इकाई- 4.

(क) गो. तुलसीदास- रचनाएँ , भक्ति भावना, तुलसी का समन्वयवाद, काव्य कला

(ख) मीराबाई- भक्ति भावना, विरहानुभूति, काव्यगत विशेषताएं एवं भाषा-सौंदर्य

इकाई-**5.**

(क) बिहारी- श्रृंगार वर्णन**,** भक्ति भावना, नीतिपरक दोहों का वैशिष्टय, बिहारी की बहुज्ञता, काव्य - सौन्दर्य

(ख) भूषण – रचनाएँ, वीर-भावना, राष्ट्रीय चेतना, काव्य - सौष्ठव

(ग) जायसी और घनानंद का सामान्य परिचय

सहायक ग्रंथ-

1. कबीर मीमांसा - डॉ० रामचन्द्र तिवारी
2. सूरदास- डॉ० हरवंश लाल शर्मा
3. तुलसी काव्य मीमांसा – डॉ.उदयभानु सिंह
4. मीरा का काव्य – विश्वनाथ त्रिपाठी
5. बिहारी की वाग्विभूति - डॉ.विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
6. भूषण-विमर्श – भगीरथ प्रसाद दीक्षित
7. हिंदी के प्राचीन प्रतिनिधि कवि – द्वारिका प्रसाद सक्सेना

Modern Indian Language
Choice Based Credit System
बी०ए०

BHG-C-311/BHG-C-411
हिन्दी भाषा और साहित्य

पूर्णांक - 100 सत्रांत परीक्षा -70
क्रेडिट - 6 सतत आन्तरिक मूल्यांकन - 30

पाठ्यक्रम

अधिगम परिणाम -

- कबीर के साहित्य का अनुशीलन कर सकेंगे.
- मध्यकालीन भाषिक चेतना के स्वरूप को जानेंगे.
- तुलनात्मक अध्ययन की समझ बढेगी.
- आधुनिक भारतीय साहित्य के औचित्य से परिचित होंगे.
- आधुनिक भारतीय साहित्य का मूल्यांकन कर पाएंगे.

पाठ्य पुस्तक- हिंदी भाषा और साहित्य - डॉ.निशा शर्मा ,एन.एस.पब्लिकेशन,लखनऊ

इकाई 1 -व्याख्या हेतु

(क) कबीर ग्रन्थावली – सम्पादक श्यामसुंदर दास - गुरुदेव कौ अंग 1-15

(ख) रामचरितमानस-तुलसीदास –अयोध्याकाण्ड (केवट प्रसंग) दोहा संख्या 99 से दोहा संख्या 102 तक, गीताप्रेस गोरखपुर

(ग) बिहारी रत्नाकर, सम्पादक जगन्नाथ दास रत्नाकर – दोहा सं. (21,51,91,181,191,192,228,255,300,301,)

इकाई 2–व्याख्या हेतु

(क) भूषण –1. साजि चतुरंग सैन... 2.इन्द्र जिमि जम्भ पर.

(ख) सुभद्रा कुमारी चौहान - 1. बालिका का परिचय , 2.वीरों का कैसा हो वसंत

(ग) सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' –1. वर दे वीणावादिनि, 2.संध्यासुन्दरी

इकाई 3 -

(क) हिन्दी भाषा और साहित्य: आधुनिक भारतीय भाषाओं का सामान्य परिचय

(ख) हिन्दी भाषा का उद्भव और विकास

इकाई 4 –

कबीरदास: भक्तिभावना, समाज-दर्शन, भाषा

तुलसीदास : रचनाएँ, भक्तिभावना, लोकमंगल,समन्वयवाद,काव्य-सौंदर्य

बिहारी : भक्ति एवं शृंगार भावना, काव्य - कला

भूषण : वीर-भावना, राष्ट्रीय चेतना,काव्य – कला

इकाई 5 –

सुभद्रा कुमारी चौहान : व्यक्तित्व -कृतित्व एवं साहित्यिक अवदान ,वीर भावना काव्य में सौन्दर्य

सूर्यकान्त त्रिपाठी ' निराला '– प्रगतिशील चेतना, काव्य-सौंदर्य,प्रकृति चित्रण

सहायक ग्रन्थ :

1.कबीर-मीमांसा-डॉ. रामचंद्र तिवारी
2.कबीर की विचारधारा-गोविन्द त्रिगुणायत
3.गो. तुलसीदास-आचार्य रामचंद्र शुक्ल
4.भूषण विमर्श- भगीरथ प्रसाद दीक्षित
5.सुभद्राकुमारी चौहान –डॉ. प्रतीक कुमार मिश्र
6.निराला: आत्महन्ता आस्था – दूधनाथ सिंह

Discipline Specific Course

Choice Based Credit System

बी.ए.

BHL-C-311

आधुनिक हिन्दी कविता

पूर्णांक - 100 सत्रांत परीक्षा - 70

क्रेडिट - 6 सतत आन्तरिक मूल्यांकन - 30

पाठ्यक्रम

अधिगम परिणाम -

- भारतेंदु युगीन नवजागरण का अनुशीलन कर सकेंगे.
- मुक्तछंद की अवधारणा और निराला साहित्य का विवेचन-विश्लेषण कर सकेंगे.
- आधुनिक साहित्य के औचित्य को समझ सकेंगे.
- साहित्यकारों के वैचारिक पक्ष का तुलना कर सकेंगे.
- आधुनिकता बोध और समकालीन साहित्य की समझ का विकास होगा.

पाठ्य पुस्तक-

आधुनिक हिन्दी-कविता - डॉ० सुरेन्द्र कुमार,प्रकाशक - हरियाणा साहित्य संस्थान, महाविद्यालय गुरुकुल झज्जर (हरियाणा)

इकाई-1(व्याख्या हेतु)

- भारतेंदु हरिश्चंद्र- निजभाषा उन्नति,
- अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध' – माता यशोदा की व्यथा(प्रिय-प्रवास)
- मैथिलीशरण गुप्त – पंचवटी-वर्णन,

इकाई-2(व्याख्या हेतु)

- जयशंकर प्रसाद – अरुण यह मधुमय देश हमारा, हिमाद्रि तुंग श्रृंग से, कामायनी 'चिंता सर्ग(10 पद)
- महादेवी वर्मा- ये मंदिर का द्वीप
- सूर्यकांत त्रिपाठी निराला- भिक्षुक, बादल-राग, तोड़ती पत्थर
- नागार्जुन- अकाल और उसके बाद,शासन की बंदूक

इकाई-3

- भारतेंदु का व्यक्तित्व- कृतित्व, भारतेंदु की राष्ट्रीय भावना, काव्यगत विशेषताएं.
- अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध' का परिचय, प्रियप्रवास में यशोदा विलाप, प्रिय-प्रवास की राधा, प्रिय-प्रवास का महाकाव्यत्व
- मैथिलीशरण गुप्त का व्यक्तित्व-कृतित्व, गुप्त जी की राष्ट्रीय भावना, प्रकृति-चित्रण, साकेत का काव्य सौष्ठव

इकाई-4

- जयशंकर प्रसाद का साहित्यिक परिचय, प्रसाद का राष्ट्र प्रेम, प्रसाद का सौन्दर्यबोध, प्रसाद की काव्यकला.चिंता सर्ग का वैशिष्ट्य.
- महादेवी वर्मा - परिचय और काव्यगत विशेषताएं.

इकाई-5

- सूर्यकांत त्रिपाठी निराला का साहित्यिक परिचय,वैविध्य के कवि निराला, निराला की प्रगति चेतना, काव्यगत विशेषताएं|
- नागार्जुन का साहित्यिक परिचय, नागार्जुन के काव्य में जनचेतना, राजनीतिक व्यंग्य, नागार्जुन का काव्य सौष्ठव.

सहायक ग्रंथ-

1. हिन्दी के आधुनिक प्रतिनिधि कवि- डॉ० द्वारिका प्रसाद सक्सेना
2. आधुनिक कवि- विश्वम्भर मानव
3. हरिऔध के महाकाव्य : वस्तु और शिल्प - डॉ० ज्ञान चन्द रावल
4. मैथिलीशरण गुप्त : व्यक्ति और काव्य - डॉ० कमला कान्त पाठक
5. प्रसाद का काव्य- प्रेमशंकर
6. निराला काव्य का अध्ययन- डॉ० भगीरथ मिश्र
7. महादेवी नया मूल्यांकन -गणपति चन्द गुप्त

SKILL ENHANCEMENT COURSE

Choice Based Credit System

बी.ए.

BHL-S-311

कार्यालयी हिन्दी

पूर्णांक - 100 सत्रांत परीक्षा - 70

क्रेडिट - 4 सतत आन्तरिक मूल्यांकन - 30

पाठ्यक्रम

अधिगम परिणाम -

- कार्यालयी हिंदी का अनुप्रयोग कर सकेंगे.
- कम्प्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग की विधि से परिचित होंगे.
- प्रयोजनमूलक हिंदी के विकास को समझ सकेंगे.
- टिप्पण.प्रारूपण ,शासकीय,अर्धशासकीय,समाचार की प्रक्रिया को समझ सकेंगे.
- कार्यालयी हिंदी में अनुवाद की संकल्पना समझ सकेंगे.

इकाई-1 कार्यालयी हिन्दी का स्वरूप, उद्देश्य तथा क्षेत्र-

- अभिप्राय तथा उद्देश्य
- कार्यालयी हिन्दी का क्षेत्र
- सामान्य हिन्दी तथा कार्यालयी हिन्दी : संबंध तथा अंतर
- कार्यालयी हिन्दी की स्थिति और संभावनाएँ

इकाई-2 कार्यालयी हिन्दी की शब्दावली-

- पारिभाषिक शब्दावली
- पदनाम तथा अनुभाग के नाम]औपचारिक पदावलियाँ/अभिव्यक्तियाँ
- मुख्य कार्यालय, क्षेत्रीय कार्यालय और अन्य प्रशासनिक अधिकारियों के लिए प्रयुक्त होने वाले संबोधन, निर्देश आदि

इकाई-3 कार्यालयी पत्राचार के विविध प्रकार-

- सामान्य परिचय
- कार्यालय से निर्गत पत्र (ज्ञापन, परिपत्र, अनुस्मारक, पृष्ठांकन, आदेश, सूचनाएँ, निविदा आदि)
- रिक्त पदों पर भर्ती हेतु विज्ञापन
- आवेदन-लेखन

इकाई-4 टिप्पण, प्रारूपण एवं संक्षेपण-

- टिप्पण का स्वरूप, भेद,विशेषताएँ और भाषा शैली
- प्रारूपण के प्रकार, भाषा शैली, प्रारूपण की विधि
- संक्षेपण का आशय,संक्षेपण के प्रकार
- संक्षेपण की विशेषताएँ और विधियाँ
- पल्लवन का स्वरूप,पल्लवन की विशेषताएं

इकाई-5 कार्यालयी प्रयोजनों में विभिन्न यांत्रिक उपकरणों का अनुप्रयोग-

- कंप्यूटर एवं लैपटॉप
- वीडियो कान्फ्रेंसिंग,वर्ड एक्सल
- प्रिन्टर एवं प्रोजेक्टर,पीपीटी

सहायक ग्रंथ

1. प्रयोजनमूलक हिन्दी - माधव सोनटक्के
2. प्रारूपण शासकीय पत्राचार और टिप्पण लेखन विधि - राजेन्द्र प्रसाद श्रीवास्तव
3. प्रयोजनमूलक हिन्दी की नई भूमिका - कैलाशनाथ पाण्डेय
4. प्रयोजनमूलक भाषा और कार्यालयी हिन्दी - कृष्ण कुमार गोस्वामी
5. प्रयोजनमूलक हिन्दी : सिद्धान्त और प्रयोग - दंगल झाल्टे
6. कार्यालयी हिन्दी - हरिबाबू कंसल
7. प्रज्ञा पाठ माला- राजभाषा विभाग गृह मंत्रालय भारत सरकार
8. कार्यालयी हिंदी एवं निबंध -डॉ पूरनचन्द्र टंडन

Discipline Specific Course
Choice Based Credit System

बी.ए.

BHL-C-411

हिन्दी गद्य साहित्य

पूर्णांक - 100 सत्रांत परीक्षा -70

क्रेडिट - 6 सतत आन्तरिक मूल्यांकन - 30

पाठ्यक्रम

अधिगम परिणाम -

- हिंदी गद्य साहित्य का अनुशीलन कर सकेंगे.
- निबंध कला और निबंधकारों के दृष्टिकोण की समझ व लेखन कला का विकास होगा.
- जैनेन्द्र के औपन्यासिक सर्जना व विषयवस्तु को समझ सकेंगे.
- कहानी की समीक्षा करने में निपुण होंगे.
- गद्य साहित्य के औचित्य के परिचित होंगे.

इकाई 1- व्याख्या हेतु

(i). उपन्यास - त्यागपत्र - जैनेन्द्र कुमार

(ii). कहानी- (क). नमक का दारोगा- प्रेमचंद

(ख). परदा- यशपाल

(ग). आकाशदीप – जयशंकर प्रसाद

(घ). वापसी – उषा प्रियंवदा

इकाई 2 व्याख्या हेतु

(i). निबंध

(क). लोभ और प्रीति- रामचंद्र शुक्ल

(ख). कुटज- हजारी प्रसाद द्विवेदी

इकाई 3

- त्यागपत्र की मूल समस्या
- त्यागपत्र की मनोवैज्ञानिकता
- मृणाल एवं प्रमोद का चरित्र-चित्रण
- त्यागपत्र की भाषा

इकाई 4

- चयनित कहानीकारोका परिचय
- चयनित कहानियों की समीक्षा

इकाई 5

- चयनित निबन्धकारों का परिचय
- चयनित निबंधो की समीक्षा

सहायक ग्रंथ-

1. उपन्यासकार जैनेन्द्र कुमार और उनका त्यागपत्र- डॉ. वेदप्रकाश अमिताभ
2. हिन्दी के प्रतिनिधि कहानीकार- डॉ. द्वारिका प्रसाद सक्सेना
3. हिन्दी निबंध और निबंधकार – डॉ. रामचंद्र तिवारी
4. हिन्दी के प्रतिनिधि निबंधकार-डॉ. द्वारिका प्रसाद सक्सेना

SEC-2 (चतुर्थ सेमेस्टर) जनवरी-जून 2024 से प्रभावी

SKILL ENHANCEMENT COURSE

Choice Based Credit System

बी.ए.

BHL-S-411

भाषा शिक्षण

पूर्णांक - 100 सत्रांत परीक्षा - 70

क्रेडिट - 4 सतत आन्तरिक मूल्यांकन - 30

पाठ्यक्रम

अधिगम परिणाम -

- भाषा शिक्षण अनुप्रयोग का अनुशीलन कर सकेंगे.
- समझ के मध्यम के रूप में भाषिक अनुप्रयोग को जानेगे.
- कम्प्यूटर के अनुप्रयोग और भाषिक समझ का विकास होगा.
- भाषा शिक्षण के तुलनात्मक पक्ष को समझ सकेंगे.
- लेखन कौशल का विकास संभव होगा.

इकाई-1

- हिन्दी भाषा एवं शब्द भंडार-तत्सम,तद्भव,देशज, विदेशी,कृत्रिम
- प्रतीक भाषा ,मिथकीय भाषा,मूक-बधिर भाषा,ब्रेल लिपि प्रशिक्षण

इकाई -2

- भाषिक प्रशिक्षण के विभिन्न स्तर – प्रारम्भिक कक्षाओं में ,उच्च शिक्षा संस्थाओं में ,हिन्दी तर भाषियों ,विभाषियों – विदेशियों के बीच द्वितीय भाषा के रूप में
- भाषा विज्ञान के मूलाधार –व्याकरण बोध ,मानक वर्तनी का ज्ञान ,शुद्ध वाक्य विन्यास ,वैज्ञानिक उच्चारण ,मानकीकृत देवनागरी लिपि का अभ्यास

इकाई -3

- पर्यायवाची , समानार्थक,विलोम,समश्रुत भिन्नार्थक शब्द,अनेक शब्दों के लिए एक शब्दयुग्म
- देवनागरी लिपि का इतिहास तथा वैशिष्ट्य, देवनागरी लिपि की वैज्ञानिकता, कंप्यूटरीकरण की दृष्टि से संक्षेपण, संशोधन की आवश्यकता

इकाई -4

- हिन्दी का अनुप्रयोगात्मक व्याकरण
- हिंदी भाषा में शब्द भेद
- शैली विज्ञान –प्रारम्भिक परिचय

इकाई -5

- हिन्दी भाषा में आगत अन्य भाषाओं के शब्दों का विवेचन
- हिन्दी भाषा का भविष्य

सहायक पुस्तकें –

1. हिन्दी शिक्षण –कर्ण सिंह
2. हिन्दी शिक्षण –डॉ सावित्री सिंह
3. हिन्दी शिक्षण –राधा शर्मा
4. भाषा शिक्षण - डॉ. रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव

DISCIPLINE SPECIFICE ELECTIVE

Choice Based Credit System

बी.ए.

BHL-E-511

सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'

पूर्णांक - 100 सत्रांत परीक्षा - 70

क्रेडिट - 6 सतत आन्तरिक मूल्यांकन - 30

पाठ्यक्रम

अधिगम परिणाम -

- निराला के साहित्य का अनुशीलन कर सकेंगे.
- निराला साहित्य के अध्ययन से तर्कशील दृष्टि का अध्ययन संभव है.
- निराला की काव्य चेतना समझ सकेंगे..
- निराला की कविता की मूल संवेदना की व्याख्या कर पाएंगे.
- निराला के साहित्य के औचित्य को समझ सकेंगे.

इकाई-1 राग विराग, संपादक - रामविलास शर्मा- (व्याख्या हेतु)

- सखि, वसन्त आया.,जुही की कली
- जागो फिर एक बार: 2., बादल-राग - 6]
- वर दे वीणावादिनी वर दे!
- संध्या सुंदरी

इकाई-2 (व्याख्या हेतु)

- भारति, जय विजय करे!
- तोड़ती पत्थर
- बाहर मैं कर दिया गया हूँ
- स्नेह-निर्झर बह गया है
- गहन है यह अन्धकारा

इकाई-3.कथा साहित्य- बिल्लेसुर बकरिहा (इससे व्याख्या नहीं पूछी जाएगी)

इकाई-4

- सूर्यकांत त्रिपाठी निराला : एक परिचय एवं काव्यगत विशेषताएं
- निराला का प्रकृति-चित्रण,प्रगतिवादी चेतना ,
- निराला के काव्य की भाषा-शैली
- क्रांति के कवि निराला

इकाई-5

- बिल्लेसुर बकरिहा: एक समीक्षात्मक अध्ययन
- बिल्लेसुर बकरिहा के प्रमुख पात्रों का चरित्र- चित्रण
- बिल्लेसुर बकरिहा की भाषा-शैली एवं व्यंग्यात्मकता

सहायक ग्रंथ-

1. निराला की साहित्य साधना- डॉ.रामविलास शर्मा
2. निराला काव्य का अध्ययन- डॉ. भागीरथ मिश्र
3. कवि निराला- कृष्णदेव झारी
4. निराला : आत्महंता आस्था- दूधनाथ सिंह

GENERIC ELECTIVE

Choice Based Credit System

बी.ए.

BHL-G-511

संपादन कला

पूर्णांक - 100 सत्रांत परीक्षा -70

क्रेडिट - 6 सतत आन्तरिक मूल्यांकन - 30

पाठ्यक्रम

अधिगम परिणाम -

- संपादन कला सीख सकेंगे.
- पत्रकारिता की कार्यप्रणाली का अनुशीलन कर पाएंगे.
- प्रिंट मीडिया और दृश्य-श्रव्य मध्यम का अनुप्रयोग करना जान पाएंगे.
- रिपोर्टिंग कला में निपुण होंगे.
- सृजनात्मक अभिव्यक्ति कौशल का विकास होगा.

इकाई- 1

- संपादन: अवधारणा, उद्देश्य, आधारभूत तत्त्व, निष्पक्षता और सामाजिक संदर्भ,
- संपादन-कला के सामान्य सिद्धान्त
- संपादक और उपसंपादक: योग्यता, दायित्व और महत्त्व

इकाई- 2

- समाचार मूल्य, लीड, आमुख, शीर्षक-लेखन आदि प्रत्येक दृष्टि से चयनितसामग्री का मूल्यांकन और संपादन
- संपादन चिह्न और वर्तनी पुस्तिका
- प्रिंट मीडिया की प्रयोजनपरक शब्दावली

इकाई- 3

- संपादकीय लेखन: प्रमुख तत्व एवं प्रविधि. संपादकीय का सामाजिकप्रभाव

इकाई- 4

- समाचार पत्र और पत्रिका के विविध स्तम्भों की योजना और उनका संपादन
- साहित्य और कला जगत की सामग्री के संपादन की विशेषताएँ

इकाई- 5

- साज-सज्जा:ग्राफिक्स और आकल्पन के मूलभूत सिद्धान्त
- मुद्रण के तरीके, दैनिक समाचार पत्र का पृष्ठ-निर्माण (डमी), पत्रिका कीसाज-सज्जा, रंग-संयोजन

सहायक ग्रंथ-

1. पत्रकारिता में संपादन कला- एन. सी. पन्त
2. समाचार संकलन और लेखन- नंदकिशोर त्रिखा
3. समाचार संपादन- प्रेमनाथ चतुर्वेदी
4. सैद्धांतिक पत्रकारिता- डॉ. सुशील उपाध्याय

SKILL ENHANCEMENT COURSE

बी. ए.

BHL-S-511

भाषा कंप्यूटिंग

पूर्णांक - 100 सत्रांत परीक्षा -70

क्रेडिट - 4 सतत आन्तरिक मूल्यांकन - 30

पाठ्यक्रम

अधिगम परिणाम -

- कम्प्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग का अनुशीलन कर पाएंगे.
- सूचना प्रौद्योगिकी के तकनीक का इस्तेमाल कर सकेंगे.
- भाषा और कंप्यूटर के अनुप्रयोग का तुलनात्मक अध्ययन कर पाएंगे.
- मशीनी अनुवाद का प्रयोग कर सकेंगे.
- हिन्दी ब्लॉग पर लेखन करना सीख सकेंगे.

इकाई-1

- कंप्यूटर प्रबंधन,हार्डवेयर, सॉफ्टवेयर, प्रमुख एप्लिकेशन पैकेज,वेबसाइट, ई-मेल, वेब सर्फिंग
- इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, सी.डी.,मोबाइल और किंडल, हिन्दी ब्लॉग

इकाई-2

- मल्टीमीडिया की कार्य प्रणाली
- कंप्यूटर में डाटा प्रविष्टि, स्मृति (मेमोरी), सूचना संग्रहण

इकाई-3

- कंप्यूटर मुद्रण
- सूचना प्रौद्योगिकी का स्वरूप

इकाई-4

- संचार प्रौद्योगिकी की प्रयोजनीय शब्दावली
- संचार भाषा के रूप में हिन्दी की उपलब्धियाँ

इकाई-5

- कंप्यूटर में हिन्दी के विभिन्न अनुप्रयोग
- ऑनलाइन अनुवाद, फॉन्ट कनवर्टर

सहायक ग्रंथ-

1. कंप्यूटर और हिन्दी - डॉ. हरिमोहन
2. सूचना तकनीक- विष्णु प्रिया सिंह
3. आज का युग:इन्टरनेट का युग- विनीता सिंघल
4. कंप्यूटर सूचना प्रणाली विकास- रामबंसल विज्ञाचार्य
5. कंप्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग -विजय कुमार मलहोत्रा

DISCIPLINE SPECIFIC ELECTIVE

Choice Based Credit System

बी. ए.

BHL-E 611

तुलसीदास

पूर्णांक - 100 सत्रांत परीक्षा - 70

क्रेडिट - 6 सतत आन्तरिक मूल्यांकन - 30

पाठ्यक्रम

अधिगम परिणाम -

- तुलसीदास के साहित्य का अनुशीलन करेंगे.
- तुलसीदास के लोकमंगल की भावना को समझ सकेंगे.
- तुलसीदास के साहित्य का औचित्य समझ पाएंगे.
- साहित्य की समीक्षा कर पाएंगे.
- तुलसी कि काव्यगत विशेषता जान सकेंगे.

इकाई-1 (व्याख्या हेतु)

- रामचरित मानस: गीताप्रेस, गोरखपुर, अयोध्याकाण्ड (दोहा संख्या 90 से 133 तक)

इकाई -2 (व्याख्या हेतु)

- कवितावली गीताप्रेस, गोरखपुर,पद संख्या बालकाण्ड (1,2,3,4,5)अयोध्याकाण्ड (1,6,11)
- विनय पत्रिका-गीताप्रेस गोरखपुर पद संख्या (73,79,90,101,105,162)

इकाई- 3

- तुलसीदास- व्यक्तित्व एवं कृतित्व
- तुलसी की भक्तिभावना
- तुलसी का लोकमंगल
- तुलसी कीसमन्वय साधना

इकाई- 4

- रामचरितमानस :अयोध्याकाण्ड की विषयवस्तु
- रामचरितमानस के नायक का चरित्र -चित्रण

इकाई- 5

- कवितावली की विषय-वस्तु
- कवितावली का काव्य -सौष्ठव
- विनय पत्रिका की विषयवस्तु
- विनय पत्रिका का काव्य -सौष्ठव

सहायक ग्रंथ

1. प्राचीन कवि -विश्वम्भर मानव
2. हिन्दी के प्राचीन प्रतिनिधि कवि -डॉ. द्वारिका प्रसाद सक्सेना
3. गोस्वामी तुलसीदास -आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
4. लोकवादी तुलसीदास -विश्वनाथ तिवारी
5. तुलसी काव्य मीमांसा -उदयभानु सिंह

GENERIC ELECTIVE

Choice Based Credit System

बी.ए.

BHL-G-611

सर्जनात्मक लेखन

पूर्णांक - 100 सत्रांत परीक्षा -70

क्रेडिट - 6 सतत आन्तरिक मूल्यांकन - 30

पाठ्यक्रम

अधिगम परिणाम -

- सर्जनात्मक लेखन पद्धति का अनुशीलन कर सकेंगे.
- रिपोर्टिंग कला में निपुण होंगे.
- साक्षात्कार प्राविधि और अनुप्रयोग के औचित्य को जान पाएंगे.
- पुस्तक समीक्षा करना जानेंगे.
- सृजनात्मक अभिव्यक्ति कौशल का विकास होगा.

इकाई-1

- सर्जनात्मक लेखन के विविध क्षेत्र
- रिपोर्ताज़: अर्थ, स्वरूप, रिपोर्ताज एवं अन्य गद्य रूप, रिपोर्ताज और फीचरलेखन-प्रविधि

इकाई-2

- फीचर लेखन: विषय-चयन, सामग्री-निर्धारण, लेखन-प्रविधि. सामाजिक, आर्थिक,सांस्कृतिक, विज्ञान, पर्यावरण, खेलकूद से सम्बद्ध विषयों पर फीचर लेखन

इकाई-3

- साक्षात्कार (इण्टरव्यू/भेंटवार्ता): उद्देश्य, प्रकार, साक्षात्कार-प्रविधि, महत्व

इकाई-4

- स्तंभ लेखन: समाचार पत्र के विविध स्तंभ, स्तंभ लेखन की विशेषताएँ
- बाजार, खेलकूद, फिल्म, पुस्तक और कला समीक्षा

इकाई-5

- आर्थिक पत्रकारिता, खेल पत्रकारिता, ग्रामीण और विकास पत्रकारिता, फोटोपत्रकारिता

सहायक ग्रंथ-

1. सैद्धांतिक पत्रकारिता- डॉ. सुशील उपाध्याय
2. व्यावहारिक पत्रकारिता- डॉ. सुशील उपाध्याय
3. हिन्दी पत्रकारिता : विविध आयाम भाग 1- डॉ. वेद प्रताप वैदिक
4. आधुनिक फोटो पत्रकारिता- नरेश गौतम
5. रचनात्मक लेखन- संपादक नरेश गौतम

SKILL ENHANCEMENT COURSE

Choice Based Credit System

बी.ए.

BHL-S-611

समाचार संकलन और लेखन

पूर्णांक - 100 सत्रांत परीक्षा - 70

क्रेडिट - 4 सतत आन्तरिक मूल्यांकन - 30

पाठ्यक्रम

अधिगम परिणाम -

- समाचार लेखन कला का विकास संभव होगा.
- पत्रकारिता के विविध पक्षों का अनुप्रयोग सीख सकेंगे.
- सृजनात्मक अभिव्यक्ति कौशल का विकास होगा.
- रिपोर्टिंग कला में निपुण होंगे.
- सृजनात्मक अभिव्यक्ति कौशल का विकास होगा.

इकाई-1

- समाचार: अवधारणा, परिभाषा, बुनियादी तत्व, समाचार और संवाद, संरचना(घटक), समाचार मूल्य
- समाचार के स्रोत
- समाचार संग्रह-पद्धति और लेखन-प्रक्रिया

इकाई-2

- समाचार का वर्गीकरण- खोजी, व्याख्यात्मक, अनुवर्तन समाचार
- संवाददाता: भूमिका, अर्हता, श्रेणियाँ, प्रकार्य एवं व्यवहार-संहिता

इकाई-3

- रिपोर्टिंग के क्षेत्र और प्रकार: विधायिका, न्यायपालिका, मंत्रालय और प्रशासन,विदेश, रक्षा, राजनीति, अपराध और न्यायालय
- दुर्घटना एवं नैसर्गिक आपदा,ग्रामीण, कृषि, विकास, अर्थ एवं वाणिज्य
- सम्मेलन, संगोष्ठी, पत्रकारवार्ता
- साहित्य एवं संस्कृति, विज्ञान, अनुसंधान एवं तकनीकी विषय, खेलकूद
- पर्यावरण, मानवाधिकार और अन्य सामाजिक विषयों और क्षेत्रों से सम्बन्धित रिपोर्टिंग

इकाई-4

- लीड: अर्थ, प्रकार, विशेषता, महत्त्व
- शीर्षक: अर्थ, प्रकार, लिखने की कला, महत्त्व

इकाई-5

- रिपोर्टिंग : वस्तुपरकता और भाषा-शैली

सहायक ग्रंथ-

1. हिन्दी पत्रकारिता के विविध आयाम- वेद प्रताप वैदिक
2. रिपोर्टिंग के विविध आयाम- विजया पाठक
3. समाचार संकलन और लेखन- नंदकिशोर त्रिखा
4. व्यावहारिक पत्रकारिता- डॉ सुशील उपाध्याय
5. समाचार फीचर-लेखन एवं संपादन कला- डॉ. हरिमोहन

Discipline Specific Course

बी. ए.

BHL C-711A

द्विवेदी युगीन एवं छायावादी काव्य

पूर्णांक - 100 सत्रांत परीक्षा - 70

क्रेडिट - 6 सतत आन्तरिक मूल्यांकन - 30

पाठ्यक्रम

अधिगम परिणाम -

- द्विवेदीयुगीन एवं छायावाद साहित्य के परिपेक्ष्य का अनुशीलन कर पाएंगे.
- साहित्य के अध्ययन से तर्कशील एवं आलोचकीय दृष्टि का विकास होगा.
- साहित्यिक कृतियों की समीक्षा कर पाएंगे.
- कवियों के वैचारिक सरोकार का तुलनात्मक अध्ययन करेंगे.
- द्विवेदीयुगीन एवं छायावाद साहित्य के औचित्य को समझ सकेंगे.

निर्धारित पाठ्यक्रम: (इकाई-1, 2 से व्याख्या)

इकाई-1

- 1.मैथिली शरण गुप्त - साकेत (नवम सर्ग से चयनित 10 पद)
- दो वंशो में .....वैदेही
- विफल जीवन व्यर्थ .....कहे कोई
- उस रुदंती विरहणी.....सुवर्ण के
- सिद्ध सिलाओं ..... उच्च उदार
- जीवन के पहले.....पात-पात में
- वेदने तू भली बनी.....
- कहती मैं चातकि फिर बोल ....
- निरख सखी ये खंजन आये....
- हम राज्य लिए मरते हैं .....
- शिशिर न फिर गिरि वन में .....

2.जयशंकर प्रसाद - कामायनी (चिंता सर्ग, प्रारंभिक 10 पद)

इकाई-2

- सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' - राम की शक्ति पूजा (राग-विराग) सम्पा॰ राम विलास शर्मा, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद)
- सुमित्रानन्दन पंत - मौन निमंत्रण, एक तारा, नौका-विहार(तारापथ,सम्पा॰ सुमित्रानन्दन पंत, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद)

इकाई-3

- मैथिलीशरण गुप्त - साकेत का काव्य सौष्ठव, साकेत में आधुनिकता, गुप्त जी की राष्ट्रीय भावना, उर्मिला का विरह वर्णन।
- जयशंकर प्रसाद - कामायनी का महाकाव्यत्व, प्रसाद की काव्यगत विशेषताएँ, प्रसाद की सौन्दर्य चेतना।

इकाई-4

- सूर्यकान्त त्रिपाठी ‘निराला’ - राम की शक्ति पूजा का काव्य-सौष्ठव, निराला की काव्यगत विशेषताएँ, निराला की प्रगति चेतना।
- सुमित्रानन्दन पंत - पंत काव्य का विकास, पंत का प्रकृति-चित्रण, पंत का काव्य सौष्ठव

इकाई-5

द्रुत पाठ - द्रुत पाठ हेतु निर्धारित कवि-

- नाथूराम शर्मा ‘शंकर’,
- अयोध्या सिंह उपाध्याय हरिऔध,
- जगन्नाथ दास रत्नाकर,
- महादेवी वर्मा।

(इनके काव्य का सामान्य अध्ययन ही अपेक्षित है। इन पर दीर्घ उत्तरीय प्रश्न नहीं पूछे जायेंगे)

संदर्भ ग्रन्थ:

1. मैथिलीशरण गुप्त: व्यक्ति और काव्य - डॉ॰ कमला कान्त पाठक
2. मैथिलीशण गुप्त की काव्य साधना - उमा कान्त गोयल
3. साकेत: एक अध्ययन - डॉ॰ नगेन्द्र
4. कामायनी में काव्य, संस्कृति और दर्शन - डॉ॰ द्वारिका प्रसाद सक्सेना
5. निराला की साहित्य साधना (भाग-2) - डॉ॰ राम विलास शर्मा
6. पंत का काव्य - प्रेम लता बाफना
7. महादेवी की काव्य चेतना - डॉ॰ राजेन्द्र मिश्र
8. महीयसी महादेवी - गंगा प्रसाद पाण्डेय
9. हरिऔध: जीवन और कृतित्व - मुकुन्द देव शर्मा
10. हरिऔध के महाकाव्य: वस्तु और शिल्प - डॉ॰ ज्ञान चन्द रावल

Discipline Specific Course

बी.ए.

BHL E-711B

लोक साहित्य

पूर्णांक - 100 सत्रांत परीक्षा - 70

क्रेडिट - 6 सतत आन्तरिक मूल्यांकन - 30

पाठ्यक्रम

अधिगम परिणाम -

- लोक साहित्य का अनुशीलन करेंगे.
- भारतीय लोक साहित्य के औचित्य को समझ पाएंगे.
- साहित्य का तुलनात्मक अध्ययन कर सकेंगे.
- लोक साहित्य की समीक्षा कर सकेंगे.
- भारतीय लोग साहित्य की वाचिक परंपरा से अवगत होंगे.

इकाई- 1

- लोक और लोक वार्त्ता ,लोक संस्कृति की अवधारणा
- लोक वार्त्ता और लोक संस्कृति,लोक संस्कृति और साहित्य
- साहित्य और लोक का अंत:संबंध ,लोक साहित्य का अन्य सामाजिक विज्ञानो से संबंध
- लोक साहित्य के अध्ययन की समस्याएं.

इकाई-2

- भारत में लोक साहित्य के अध्ययन का इतिहास
- लोक साहित्य के प्रमुख रूपों का वर्गीकरण
- लोक गीत ;संस्कार गीत ,व्रत गीत,श्रम गीत,जाति गीत

इकाई-3

- लोक नाट्य -रामलीला ,रास लीला ,किर्तनिया ,स्वान ,यक्ष गान ,विदेशिया,तमाशा
- नौटंकी ,हिंदी लोक नाट्य की परम्परा और प्रविधि ,हिंदी नाटक और रंगमच पर लोक नाटको का प्रभाव ,लोक नृत्य और लोक संगीत

इकाई-4

- लोक कथा ,व्रत कथा ,परिकथा ,नाग कथा,कथा रूढ़ियाँ और अंध विश्वास

इकाई-5

- लोक भाषा: लोक संभाषित मुहावरे ,कहावते ,लोकोक्तियाँ ,पहेलियाँ

संदर्भ-

1. डॉ.सुचित्रा मलिक : वृंदावन लाल वर्मा के ऐतिहासिक उपन्यासों में लोक संस्कृति
2. डॉ. मृदुल जोशी: उत्तराखंड की लोक संस्कृति और लोक भाषा
3. डॉ.हरि सिंह पाल :लोक काव्य की क्षितिज ,अनंग प्रकाशन दिल्ली.
4. सतेन्द्र-लोक साहित्य विज्ञान
5. कृष्णदेव उपाध्याय:लोक साहित्य की भूमिका
6. धीरेन्द्र वर्मा : लोक साहित्य की भूमिका
7. श्याम परमार:भारतीय लोक साहित्य

Discipline Specific Course

बी.ए.

BHL C-712A

कथेतर गद्य साहित्य

पूर्णांक - 100 सत्रांत परीक्षा - 70

क्रेडिट - 6 सतत आन्तरिक मूल्यांकन - 30

पाठ्यक्रम

अधिगम परिणाम -

- कथा साहित्य का अनुशीलन करने में सक्षम होंगे.
- नाटको का तुलनात्मक अध्ययन कर पाएंगे.
- संकलित निबंधों के आधार पर निबंधकारों की भावात्मक एवं शैलीगत विशेषताओं से परिचित हो सकेंगे.
- साहित्य की समीक्षा कर पाएंगे.
- गद्य साहित्य के औचित्य को समझ सकेंगे.

निर्धारित पाठ्यक्रम: (इकाई-**1, 2** से व्याख्या)

इकाई-**1**

- चन्द्रगुप्त - जयशंकर प्रसाद
- आधे अधूरे - मोहन राकेश

इकाई-**2**

3. **निबंध निकष, संपादक रामचंद्र तिवारी**

- कविता क्या है? (रामचन्द्र शुक्ल)
- नाखून क्यों बढ़ते हैं?(हजारी प्रसाद द्विवेदी)
- सौन्दर्य की वस्तुगत सत्ता और सामाजिक विकास (डॉ॰ राम विलास शर्मा)
- अस्ति की पुकार हिमालय (विद्या निवास मिश्र)
- पथ के साथी - महादेवी वर्मा (दद्दा, निराला भाई, सुभद्राकुमारी चौहान,प्रसाद)

इकाई-**3**

- चन्द्रगुप्त का चरित्र-चित्रण, चाणक्य का चरित्रांकन, चन्द्रगुप्त का नाट्य शिल्प, चन्द्रगुप्त में राष्ट्रीय एवं सांस्कृतिक चेतना।
- आधे अधूरे में आधुनिकता बोध, आधे अधूरे की नाट्य भाषा, आधे अधूरे के कथ्य का विश्लेषण, सवित्री का चरित्रांकन।

इकाई-**4**

- निबन्धकारों के निबन्धों का परिचय, निबन्धकारों की निबन्ध कला, निबन्धकारों के निबन्धों की भाषा शैली, निबन्धकी समीक्षा।
- महादेवी वर्मा के संस्मरण-रेखाचित्र साहित्य का परिचय, महादेवी वर्मा के संस्मरण-रेखाचित्रों की विशेषताएँ

इकाई-**5**

द्रुत पाठ- द्रुत पाठ हेतु निर्धारित साहित्यकार-

- भारतेन्दु हरिश्चन्द्र - 'अंधेर नगरी' (प्रहसन)
- स्वामी श्रद्धानन्द - 'कल्याण मार्ग का पथिक' (आत्म कथा)
- राहुल सांकृत्यायन - 'घुमक्कड़शास्त्र' (यात्रावृत्त)
- इन्द्र विद्यावाचस्पति 'मेरे पिता' (जीवनी)।

(इनके साहित्य का सामान्य अध्ययन ही अपेक्षित है। इन पर दीर्घ उत्तरीय प्रश्न नहीं पूछे जायेंगे।)

संदर्भ ग्रन्थ:

1. प्रसाद के नाटकों का शास्त्रीय अध्ययन - डॉ॰ जगन्नाथ प्रसाद शर्मा
2. मोहन राकेश के नाटक - गिरीश रस्तोगी
3. निबन्धकार आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी - डॉ॰ विजय बहादुर सिंह
4. महादेवी प्रतिनिधि गद्य रचनाएँ- रामजी पाण्डेय
5. भारतेन्दु का नाट्य साहित्य - डॉ॰ वीरेन्द्र कुमार शुक्ल
6. आर्य समाज का इतिहास (भाग 5) - सम्पा॰ डॉ॰ सत्यकेतु विद्यालंकार

बी.ए.

BHL E-712B

अस्मितामूलक विमर्श और हिंदी साहित्य

पूर्णांक - 100 सत्रांत परीक्षा - 70

क्रेडिट - 6 सतत आन्तरिक मूल्यांकन – 30

पाठ्यक्रम

अधिगम परिणाम -

- विमर्शमूलक या अस्मितामूलक साहित्य का अनुशीलन कर सकेंगे.
- अस्मितामूलक विमर्श और हिंदी साहित्य का तुलनात्मक अध्ययन कर सकेंगे.
- अस्मितामूलक विमर्श के औचित्य को समझ पाएंगे.
- विमर्शमूलक या अस्मितामूलक साहित्य की मूल प्रकृति से परिचित हो सकेंगे.
- दलित विमर्श, स्त्री विमर्श, आदिवासी विमर्श का सम्यक ज्ञान प्राप्त होगा.

इकाई-1 विमर्शों की सैद्धांतिकी

1. दलित विमर्श की अवधारणा और आंदोलन : ज्योतिबा फुले और डॉ.भीमराव अम्बेडकर
2. स्त्री विमर्श की अवधारणा और मुक्ति आंदोलन : पाश्चात्य और भारतीय संदर्भ
3. आदिवासी विमर्श की अवधारणा और आंदोलन : जल जंगल जमीन और पहचान का सवाल

इकाई-2. विमर्शमूलक कथा साहित्य

1. ओमप्रकाश वाल्मीकि : सलाम
2. नासिरा शर्मा : खुदा की वापसी
3. जयप्रकाश कर्दम : नो बार
4. मोहनदास नैमिशराय : मुक्तिपर्व (उपन्यास) पृष्ठ संख्या -24 -29
5. हरिराम मीणा : धूणी तपे तीर (उपन्यास) पृष्ठ संख्या-158-167
6. सुमित्रा कुमारी सिन्हा : व्यक्तित्व की भूख

इकाई-3. विमर्शमूलक दलित कविता

1. अछूतानन्द : दलित कहाँ तक पड़े रहेंगे
2. नगीना सिंह : कितनी व्यथा
3. कालीचरण स्नेही : दलित विमर्श
4. माता प्रसाद : सोनवा का पिंजरा

इकाई-4. विमर्शमूलक स्त्री कविता

1. कीर्ति चौधरी : सीमा रेखा
2. कात्यायनी : सात भाइयों के बीच चंपा
3. सविता सिंह : मैं किसकी औरत हूँ?

इकाई-5 विमर्शमूलक अन्य गद्य विधाएं

1. प्रभा खेतान : अन्या से अनन्या (आत्मकथा) पृष्ठ-28-42
2. तुलसीराम : मुर्दहिया (आत्मकथा) पृष्ठ संख्या 125-135
3. महादेवी वर्मा : स्त्री के अर्थ-स्वातंत्र्य का प्रश्न
4. डॉ. धर्मवीर : दलित चिंतन का विकास : अभिशप्त चिंतन से इतिहास चिंतन की ओर

संदर्भ ग्रंथ-

1. ओमप्रकाश वाल्मीकि : दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र
2. कँवल भारती : दलित विमर्श की भूमिका
3. जगदीश्वर चतुर्वेदी और सुधा सिंह : स्त्री अस्मिता साहित्य और विचारधारा (खंड-1,खंड-2)
4. प्रभा खेतान : उपनिवेश में स्त्री
5. रमणिका गुप्ता :आदिवासी अस्मिता का संकट
6. रमणिका गुप्ता : दलित-चेतना साहित्यिक और सामाजिक सरोकार
7. ज्योतिबा फुले : गुलामगिरी
8. सिमोन द बोउवा : स्त्री उपेक्षिता
9. मूकनायक : डॉ बी.आर.अम्बेडकर
10. बहिष्कृत भारत : डॉ बी.आर.अम्बेडकर

बी.ए.

BHL C-713 A

छायावादोत्तर काव्य

पूर्णांक - 100 सत्रांत परीक्षा - 70

क्रेडिट - 6 सतत आन्तरिक मूल्यांकन - 30

पाठ्यक्रम

अधिगम परिणाम -

- छायावादोत्तर काव्य का अनुशीलन करने में सक्षम होंगे.
- कवियों की रचना प्रक्रिया का तुलनात्मक अध्ययन कर पाएंगे.
- साहित्यिक कृतियों की समीक्षा कर पाएंगे.
- भाषिक संरचना का विवेचन विश्लेषण करने में सक्षम होंगे.
- कल्पनात्मकता और रचनात्मकता में वृद्धि होगी.

इकाई- 1

1. नागार्जुन: प्रतिनिधि कविताएँ सम्पा॰ नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली(प्रतिबद्ध हूँ, सिंदूर तिलकित भाल, उनको प्रणाम, बादल को घिरते देखा है, प्रेत का बयान,अकाल और उसके बाद, मास्टर, शासन की बंदूक.

2. अज्ञेय -असाध्य वीणा

इकाई-2

1. मुक्तिबोध -अँधेरे में
2. धूमिल - पटकथा

इकाई-3

1. नागार्जुन की काव्यगत विशेषताएँ, नागार्जुन के काव्य में प्रगतिवादी चेतना, नागार्जुन के काव्य का शिल्प विधान, यथार्थ चेतना एवं लोक दृष्टि।
2. अज्ञेय की प्रयोग धर्मिता, अज्ञेय की काव्य भाषा, असाध्य वीणा की मूल संवेदना, असाध्य वीणा का शिल्पगत वैशिष्ट्य।

इकाई-4

1. मुक्तिबोध की काव्यगत विशेषताएँ, मुक्तिबोध के काव्य में फैंटेसी, अंधेरे में कविता का मूल कथ्य या संवेदना, अंधेरे में कविता का शिल्पगत वैशिष्ट्य।धूमिल की काव्य चेतना
2. धूमिल की काव्य भाषा, पटकथा का कथ्य एवं शिल्प, साठोत्तरी कविता के परिप्रेक्ष्य में धूमिल का काव्य।

इकाई-5

द्रुत पाठ- द्रुत पाठ हेतु निर्धारित कवि -

1. त्रिलोचन
2. भवानी प्रसाद मिश्र
3. नरेश मेहता
4. कुँवर नारायण। (इनके काव्य का सामान्य अध्ययन ही अपेक्षित है। इन पर दीर्घ उत्तरी प्रश्न नहीं पूछे जायेंगे)

संदर्भ ग्रन्थ:-

1. अज्ञेय की कविता: एक मूल्यांकन - चन्द्रकान्त वांदिवडेकर
2. भवानी प्रसाद मिश्र और उनका काव्य संसार - डॉ॰ अनुपम मिश्र
3. नागार्जुन की काव्य यात्रा - डॉ॰ रतन कुमार पाण्डेय
4. नागार्जुन की कविता - डॉ॰ अजय तिवारी
5. अंतस्तल का पूरा विप्लव: अंधेरे में - सम्पा॰ निर्मला जैन
6. मुक्तिबोध की कविताई - अशोक चक्रधर
7. धूमिल और उनका काव्य संघर्ष - डॉ॰ ब्रह्मदेव मिश्र
8. नरेश मेहता का काव्य: विमर्श और मूल्यांकन - प्रभाकर शर्मा
9. त्रिलोचन का कवि-कर्म - विष्णु चन्द्र शर्मा
10. कुँवर नारायण और उनका साहित्य - अनिल मेहरोत्रा
11. कटघरे का कवि धूमिल - डॉ॰ ग॰तु॰ अष्टेकर

Discipline Specific Elective Course

बी.ए.

BHL C-713 B

भारतीय काव्य शास्त्र

पूर्णांक - 100 सत्रांत परीक्षा - 70

क्रेडिट - 6 सतत आन्तरिक मूल्यांकन - 30

पाठ्यक्रम

अधिगम परिणाम -

- भारतीय काव्य शास्त्र का अनुशीलन करने में सक्षम होंगे.
- काव्यशास्त्र के भारतीय दृष्टिकोण से परिचित होंगे.
- अलंकारों एवं उसके विविध रूपों का बोध हो सकेगा.
- अलंकार और उसके स्वरूप की समीक्षा कर पाएंगे.
- भारतीय काव्यशास्त्र के औचित्य को समझ पाएंगे.

इकाई-1

- भारतीय काव्य शास्त्र का उद्भव और विकास, काव्य लक्षण, काव्य हेतु, काव्य प्रयोजन, काव्य के प्रकार।
- रस सिद्धान्त - रस का स्वरूप, रस निष्पत्ति, रस के अंग, साधारणीकरण, सहृदय की अवधारणा।

इकाई-2

- अलंकार सिद्धान्त - मूल स्थापनाएँ, अलंकारों का वर्गीकरण।
- रीति सिद्धान्त - रीति की अवधारणा, काव्य-गुण, रीति एवं शैली, रीति सिद्धान्त की प्रमुख स्थानाएँ।

इकाई-3

- वक्रोक्ति सिद्धान्त - वक्रोक्ति की अवधारणा, वक्रोक्ति के भेद, वक्रोक्ति एवं अभिव्यंजनावाद।
- ध्वनि सिद्धान्त - ध्वनि का स्वरूप, ध्वनि सिद्धान्त की प्रमुख स्थापनाएँ, ध्वनि काव्य के प्रमुख भेद, गुणीभूत व्यंग्य, चित्र काव्य।
- औचित्य सिद्धान्त - औचित्य सिद्धान्त की प्रमुख स्थापनाएँ, औचित्य के भेद।

इकाई-4

- हिन्दी कवि आचार्यों का काव्य शास्त्रीय चिन्तन - लक्षण काव्य परम्परा एवं कवि शिक्षा।
- हिन्दी के प्रमुख आलोचकों की आलोचना दृष्टि: रामचन्द्र शुक्ल, नंद दुलारे वाजपेयी, हजारी प्रसाद द्विवेदी, डॉ॰ राम विलास शर्मा, डॉ॰ नगेन्द्र, डॉ॰ नामवर सिंह

इकाई-5

- हिन्दी आलोचना की प्रमुख प्रवृत्तियाँ - शास्त्रीय, व्यक्तिवादी, ऐतिहासिक, तुलनात्मक, प्रभाववादी, मनोविश्लेषणवादी, सौन्दर्य शास्त्रीय, शैली वैज्ञानिक, समाज शास्त्रीय।

संदर्भ सूची

1. भारतीय काव्य शास्त्र की भूमिका - डॉ॰ योगेन्द्र प्रताप सिंह
2. भारतीय काव्य शास्त्र - डॉ॰ योगेन्द्र प्रताप सिंह
3. भारतीय काव्य शास्त्र - डॉ॰ निशा अग्रवाल
4. भारतीय साहित्य सिद्धान्त - डॉ॰ तारक नाथ बाली
5. भारतीय काव्य शास्त्र– भागीरथ मिश्र

VAC/सप्तम सेमेस्टर जुलाई-दिसंबर **2025** से प्रभावी

Value Addition Course

BHL-713 P

बी.ए.

परियोजना कार्य

क्रेडिट-6

पूर्णांक- **100**

अधिगम परिणाम -

- सैद्धांतिक ज्ञान का व्यहवारिक अनुप्रयोग कर सकेंगे.
- भाषा,साहित्य और समाज के अंतर संबंधो को पड़ताल कर सकेंगे.
- शैक्षणिक प्रसार गतिविधियों को प्रोत्साहन मिलेगा.

नोट- परियोजना कार्य छात्रों को व्यवहारिक ज्ञान प्रदान करने से सम्बन्धित होगा. परियोजना कार्य के प्रश्न पत्र में में छात्र/छात्राएं विभागीय शिक्षक के मार्गदर्शन में क्षेत्र अध्ययन/रचनात्मक लेखन/शैक्षणिक प्रसार/अन्य विषय सम्बन्धित आदि गतिविधियों के माध्यम से उक्त परियोजना कार्य सम्पन्न करेंगे.

परियोजना कार्य का मूल्यांकन विभागीय स्तर पर किया जाएगा.

Discipline Specific Course

बी.ए.

BHL C-811 A

राष्ट्रीय काव्य धारा

पूर्णांक - 100 सत्रांत परीक्षा - 70

क्रेडिट - 6 सतत आन्तरिक मूल्यांकन - 30

पाठ्यक्रम

अधिगम परिणाम -

- साहित्य की राष्ट्रीय काव्यधारा व कवियों का परिचय पा सकेंगे।
- राष्ट्रीय काव्यधारा साहित्य के औचित्य से परिचित होंगे.
- राष्ट्रीय साहित्य का अनुशीलन कर सकेंगे.
- संकलित रचनाओं की समीक्षा करेंगे.
- राष्ट्रीयता (देशभक्ति अथवा राष्ट्रभक्ति) के साथ ही जन-मानस की जागरूकता के विकास में तत्कालीन साहित्यकी भूमिका जान सकेंगे।

इकाई- 1 (व्याख्या)

- मैथिलीशरण गुप्त – आर्य और मातृभूमि
- माखनलाल चतुर्वेदी – पुष्प की अभिलाषा,जवानी

इकाई- 2 (व्याख्या)

- सोहन लाल द्विवेदी -मातृभूमि तुम्हें नमन (चल पड़े जिधर दो डग -पग में)
- बाल कृष्ण शर्मा नवीन -कवि कुछ ऐसी तान सुनाओ, कोटि-कोटि कंठों से निकलीआज यही स्वर धारा है

इकाई- 3 (व्याख्या)

- रामधारी सिंह दिनकर -शहीद स्तवन और हिमालय (कलम आज उनकी जय बोल)
- श्याम नारायण पाण्डेय-चेतक की वीरता ,राणा प्रताप की तलवार
- द्वारिका प्रसाद महेश्वरी-उठो धरा के अमर सपूतों

इकाई- 4

फ़िल्मी राष्ट्रीय गीत –

- कवि प्रदीप- ऐ मेरे वतन के लोगों,आज हिमालय के छोटी से फिर हमने ललकारा है.(किस्मत-1943)
- साहिर लुधियानवी-ये देश है वीर जवानो का (नया दौर-1957)
- प्रदीप, एम्.डी.सी. रामचंद्रा - कहनी है एक बात (तलाक़-1958)
- नीरज- ऐ मेरे प्यारे वतन (काबुलीवाला-1961)
- राजिंदर कृष्ण- जहाँ डाल डाल पर (सिकंदर-ए-आज़म, 1965)
- गुलशन बावरा- मेरे देश की धरती सोना उगले (उपकार -1976)
- प्रसून जोशी-देश रंगीला (फ़ना 2006)

इकाई- 5

- कवि परिचय, कविता: व्याख्या एवं काव्य वैशिष्ट्य
- राष्ट्रीय फ़िल्मी गीत: गीतकारों का परिचय, गीतों का वैशिष्ट्य

संदर्भ ग्रंथ-

1. मैथलीशरण गुप्त ग्रंथावली, डॉ कृष्ण दत्त पालीवाल
2. डॉ पुनीत बिसारिया : भारतीय सिनेमा का सफरनामा
3. डॉ.शिवकुमार मिश्र -राष्ट्रीय -सांस्कृतिक काव्य सुधा
4. कृष्णदत्त पालीवाल - नवजागरण देसी स्वच्छंदतावाद और नई काव्यधारा
5. आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र - वाणी वितान
6. आधुनिक हिन्दी कविता में राष्ट्रीय भावना, डॉ सुधाकर शंकर कलवडे

DSE-10 (B) अष्टम सेमेस्टर जनवरी-जून 2026 से प्रभावी

Discipline Specific Elective Course

बी.ए.

BHL E-811 (B)

शोध प्रविधि

पूर्णांक - 100 सत्रांत परीक्षा - 70

क्रेडिट - 6 सतत आन्तरिक मूल्यांकन - 30

पाठ्यक्रम

अधिगम परिणाम -

- शोध के औचित्य को समझ सकेंगे.
- तुलनात्मक शोध प्रविधि का अध्ययन करेंगे.
- समाज में शोध की उपयोगिता से परिचित होंगे।
- शोध के आवश्यक चरणों का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
- साहित्यिक अनुसंधान के महत्व को समझ सकेंगे।
- हिंदी में शोध की उपलब्धियों एवं सीमाओं से परिचित होंगे।

इकाई- 1

- शोध का स्वरूप, शोध का अर्थ, शोध के विभिन्न पर्याय, अनुसंधान और आलोचना , पाठानुसंधान की परिभाषा
- शोध की प्रक्रिया, विषय-निर्वाचन, शोधकर्ता के आवश्यक गुण, शोध की प्रारम्भिक पृष्ठभूमि

इकाई-2

- अनुसंधान के मूल तत्त्व, अनुसंधान के प्रकार, सामग्री संकलन के स्रोत, सामग्री संकलन की विभिन्न प्रणालियाँ, सामग्री विश्लेषण एवं संयोजन
- पत्राचार प्रश्नोत्तरी, साक्षात्कार, शोध –पत्र, हस्तलेखों का संकलन एवं उपयोग, उपजीव्य एवं उपस्कारक ग्रन्थों का पारायण

इकाई-3

- शोध कार्य का विभाजन, अध्याय-उप शीर्षक और अनुपात, रूपरेखा, विषय सूची, प्रस्तावना, भूमिका लेखन,अनुक्रमणिका
- पाद-टिप्पण,सन्दर्भ उल्लेख, सहायक ग्रन्थों की सूची , परिशिष्ट लेखन,पांडुलिपि अवलोकन एवं सम्पादन,अशुद्धियों का निर्मूल और शोध प्रबन्ध का प्रस्तुतीकरण,संक्षेपिका

इकाई-4

- शोध: प्रविधि और दृष्टि: साहित्यिक अनुसंधान में ऐतिहासिक,अंतर अनुशासनात्मक तथ्यों और पद्धतियों का उपयोग, साहित्यिक अनुसंधान में समाजशास्त्रीय प्रविधि का उपयोग, अंतर विचारपरक अनुसंधान प्रविधि, तुलनात्मक अनुसंधान प्रविधि,मनोविश्लेषणात्मक प्रविधि,भाषा वैज्ञानिक अनुसंधान.

इकाई-5

- शोध भाषा का स्वरूप : शोध भाषा, समीक्षा भाषा, सर्जनात्मक भाषा में साम्य-वैषम्य,शोध चिन्ह आलेख तथा अंक आदि का उपयोग,अनुच्छेदीकरण,विरामांकन आदि
- इन्टरनेट,वेबसाइट, कंप्यूटर का अनुसंधान में प्रयोग, इन्टरनेट का अनुसंधान में प्रयोग

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर लिखने होंगे. प्रत्येक इकाई से शत-प्रतिशत विकल्प के साथ प्रश्न पूछा जाएगा. प्रत्येक प्रश्न 14 अंकों का होगा

सन्दर्भ ग्रन्थ:

1. शोध प्रविधि- डॉ. विनय मोहन शर्मा
2. अनुसंधान का स्वरूप- सं. सावित्री सिन्हा
3. अनुसंधान की प्रक्रिया- डॉ. ज्ञान प्रकाश गुप्ता
4. हिन्दी शोध तन्त्र की रूपरेखा- डॉ. मनमोहन सहगल
5. शोध प्रविधि और प्रक्रिया डॉ. चन्द्रभान रावत एवं डॉ. भव कुमारी
6. अनुसंधान के मूल तत्त्व- डॉ. उदयभानु सिंह
7. अनुसंधान की प्रक्रिया- डॉ. सावित्री सिन्हा एवं डॉ. विजयेन्द्र स्नातक
8. अनुसंधान की प्रविधि और प्रक्रिया- डॉ. राजेन्द्र मिश्र
9. नवीन शोध विज्ञान- डॉ. तिलक सिंह
10. शोध: स्वरूप एवं मानक कार्यविधि- डॉ. बैजनाथ सिंहल
11. शोध प्रविधि- मैथली प्रसाद भारद्वाज
12. शोध प्रविधि- डॉ. हरिश्चन्द्र वर्मा

Discipline Specific Course

BHL C-812

बी.ए.

भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा

पूर्णांक - 100 सत्रांत परीक्षा - 70

क्रेडिट - 6 सतत आन्तरिक मूल्यांकन - 30

पाठ्यक्रम

अधिगम परिणाम -

- भाषाविज्ञान का चिंतन एवं अनुशीलन कर पाएंगे.
- भाषा के ऐतिहासिक विकास क्रम को समझ पाएंगे.
- भाषा अध्ययन के तुलनात्मक पद्धति का ज्ञान होगा.
- भाषा विज्ञान के औचित्य को समझ पाएंगे.
- शैली विज्ञान और कोश विज्ञान की विविध शाखाओं का बोध हो सकेगा.

इकाई-1.

- भाषा :परिभाषा, विशेषताएं, भाषा परिवर्तन के कारण, भाषा और बोली
- भाषाविज्ञान : परिभाषा अंग भाषा विज्ञान का ज्ञान की अन्य शाखाओं से संबद्ध
- स्वनिमविज्ञान परिभाषा भाषाविज्ञान परिभाषा अंग भाषा विज्ञान का ज्ञान की अन्य शाखाओं से संबंध

इकाई-2.

- स्वनिमविज्ञान: परिभाषा, स्वन,वर्गेंद्रियाँ ,स्वनों का वर्गीकरण- स्थान और प्रयत्न के आधार पर ,स्वन परिवर्तन के कारण
- रूपिम विज्ञान -शब्द और रूप (पद) पद विभाग-नाम आख्यात उपसर्ग और निपात

इकाई-3.

- वाक्य विज्ञान,वाक्य की परिभाषा ,वाक्यके अनिवार्य तत्व,वाक्यके प्रकार, वाक्य परिवर्तन के कारण
- अर्थ विज्ञान, शब्द और अर्थ का संबंध ,अर्थ परिवर्तन के कारण ओर दिशाएं

इकाई-4

- अपभ्रंश,राजस्थानी, अवधी, ब्रज तथा खड़ी बोली की सामान्य विशेषताएं

इकाई-5.

- राष्ट्रभाषा राजभाषा एवं संपर्क भाषा के रूप में हिंदी देवनागरी लिपि की विशेषताएं एवं सुधार के प्रयास

संदर्भ ग्रन्थ:-

1. भाषा विज्ञान - डॉ॰ भोला नाथ तिवारी
1. भाषा विज्ञान और भाषा शास्त्र - कपिल देव द्विवेदी
2. आधुनिक भाषा विज्ञान के सिद्धान्त - डॉ॰ राम किशोर शर्मा
3. आधुनिक भाषा विज्ञान - कृपा शंकर सिंह एवं चतुर्भुज सहाय
4. भाषा विज्ञान की भूमिका - डॉ॰ देवेन्द्र नाथ शर्मा

Discipline Specific Elective Course

बी.ए.

BHL E-812 B

कथा साहित्य-प्रेमचन्द

पूर्णांक - 100 सत्रांत परीक्षा - 70

क्रेडिट - 6 सतत आन्तरिक मूल्यांकन - 30

पाठ्यक्रम

अधिगम परिणाम -

- प्रेमचंद के साहित्य का अनुशीलन करेंगे.
- संकलित रचनाओं की समीक्षा करेंगे.
- प्रेमचंद के साहित्य मर्म का अनुशीलन करेंगे.
- प्रेमचंद की कहानियां की विषय वस्तु का मूल्यांकन कर सकेंगे।
- प्रेमचंद के गद्यगत विशेषता जान सकेंगे।

इकाई- 1

- प्रेमचंद-सेवासदन (व्याख्या)

इकाई- 2

- कर्बला
- साहित्य का उद्देश्य (निबंध)
- पूस की रात
- शतरंज के खिलाडी
- पंचपरमेश्वर
- ईदगाह
- दो बैलो की कथा

इकाई- 3

- सेवासदन का शिल्पविधान
- सेवासदन की समस्याएं
- सेवासदन के पत्रों का परिचय और चरित्र-चित्रण

इकाई- 4

- समस्त कहानियों का उद्देश्य एवं समीक्षा

इकाई- 5

- साहित्य का उद्देश्य (निबंध) का वैशिष्ट्य एवं कथ्य

संदर्भ ग्रन्थ -

1.प्रेमचंद और उनका युग -रामविलास शर्मा
2.प्रेमचन्द घर में -शिवरानी देवी
3. प्रेमचंद-राजेश्वर गुरु
4. प्रेमचंद एक विवेचन -इन्द्रनाथ मदान
5. प्रेमचंद के उपन्यासों का शिल्प विधान -कमल किशोर गोयनका
6. प्रेमचंद-गंगा प्रसाद विमल
7. प्रेमचंद कलम का सिपाही -अमृतराय

Discipline Specific Course

बी.ए.

BHL C-813 (A)

पाश्चात्य काव्यशास्त्र

पूर्णांक - 100 सत्रांत परीक्षा - 70

क्रेडिट - 6 सतत आन्तरिक मूल्यांकन - 30

पाठ्यक्रम

अधिगम परिणाम -

- पाश्चात्य काव्यशास्त्र का विवेचन-अनुशीलन करने में सक्षम होंगे.
- पाश्चात्य चिंतको के आलोचकीय दृष्टिकोण की समीक्षा कर पाएंगे.
- आलोचकीय दृष्टि के साथ साथ लेखन कौशल में दक्ष होंगे.
- पाश्चात्य काव्यशास्त्र का तुलनात्मक अध्ययन कर पाएंगे.
- पाश्चात्य काव्यशास्त्र के औचित्य को समझ पाएंगे.

इकाई- 1

- प्लेटो के काव्य सिद्धान्त, अरस्तू का अनुकरण सिद्धान्त, त्रासदी विवेचन, विरेचन सिद्धान्त, लौंजाइनस की उदात्त विषयक अवधारणा।

इकाई-2

- ड्राइडन के काव्य-सिद्धान्त, काव्य-भाषा और शैली के सम्बन्ध में विलियम वर्ड्सवर्थ के विचार
- कॉलरिज की कल्पना विषयक अवधारणा, कल्पना तथा ललित कल्पना।

इकाई-3

- मैथ्यू आर्नल्ड के अनुसार आलोचना का स्वरूप और प्रकार्य
- क्रोचे का अभिव्यंजनावाद
- टी॰एस॰ इलियट - परम्परा की परिकल्पना और वैयक्तिक प्रज्ञा, निर्वैयक्तिकता का सिद्धान्त, वस्तुनिष्ठ समीकरण, संवेदनशीलता का असाहचर्य।

इकाई-4

- आई॰ए॰ रिचर्ड्स - भाषा के रागात्मक अर्थ, संवेगों का संतुलन, व्यावहारिक आलोचना।
- सिद्धान्त और वाद - आभिजात्यवाद, स्वच्छंदतावाद, मार्क्सवाद, मनोविश्लेषणवाद, अस्तित्ववाद।

इकाई-5

- आधुनिक समीक्षा की विशिष्ट प्रवृत्तियाँ - आधुनिकतावाद, उत्तर आधुनिकतावाद.संरचनावाद, विखण्डनवाद, शैली विज्ञान,

संदर्भ ग्रन्थ-

1. पाश्चात्य साहित्य-चिंतन - निर्मला जैन, कुसुम बाँठिया
2. पाश्चात्य काव्यशास्त्र - अधुनातन संदर्भ - डॉ॰ सत्यदेव मिश्र
3. पाश्चात्य काव्यशास्त्र - डॉ॰ देवेन्द्र नाथ शर्मा
4. पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धान्त - डॉ॰ शांति स्वरूप गुप्त
5. पाश्चात्य समीक्षा - सिद्धान्त और वाद - डॉ॰ सत्यदेव मिश्र
6. पाश्चात्य काव्यानुशीलन - डॉ॰ मृदुल जोशी

Discipline Specific Course

बी.ए.

BHL E-813 (B)

अप्रवासी साहित्य

पूर्णांक - 100 सत्रांत परीक्षा - 70

क्रेडिट - 6 सतत आन्तरिक मूल्यांकन - 30

पाठ्यक्रम

अधिगम परिणाम -

- अप्रवासी साहित्य का अनुशीलन करेंगे..
- भारतीय और आप्रावासी साहित्य का तुलनात्मक अध्ययन करेंगे.
- अप्रवासी साहित्य के औचित्य को समझ सकेंगे.
- संकलित रचनाओं की समीक्षा करेंगे.
- प्रवासी साहित्य का आलोचनात्मक अध्ययन की समझ विकसित हो सकेगी.

इकाई- 1 (व्याख्या)

उपन्यास

- अभिमन्यु अनत -लाल पसीना ,राजकमल प्रकाशन ,दिल्ली
- सुषम बेदी -लौटना ,पराग प्रकाशन,नयी दिल्ली
- नीना पाल -कुछ गाँव गाँव कुछ शहर शहर ,यश पब्लिकेशन,नयी दिल्ली
- दिव्य माथुर -शाम भर बातें,वाणी प्रकाशन,दिल्ली

इकाई- 2 (व्याख्या)

कहानियां

- तेजेंद्र शर्मा - कोख का किराया
- जकिया जुबेरी - सांकल
- जय वर्मा- गुलमोहर
- सुधा ओम धीगरा- कौन सी जमीन अपनी
- उषा राजे सक्सेना - अन्टोप्रेन्योर
- पूर्णिमा बर्मन- यो ही चलते हुए
- अनिल प्रभा कुमार- बेमौसम

इकाई- 3

- उपन्यासकारों का परिचय, उपन्यास की समीक्षा

इकाई- 4

- कहानीकारों का परिचय, कहानियों की समीक्षा

इकाई- 5

- हिंदी के विकास में प्रवासी साहित्य की भूमिका, अद्यतन प्रवासी लेखन, संवेदना, अन्य विधाएँ

सन्दर्भ ग्रन्थ:-

1. हिंदी प्रवासी साहित्य, सम्पादक कमल किशोर गोयनका, यश पब्लिकेशन, दिल्ली
2. प्रवासी लेखन: नयी जमीन, नया आसमान; अनिल जोशी, वाणी प्रकाशन
3. हम प्रवासी; अभिमन्यु अनन्त, प्रभात प्रकाशन
4. हिंदी का भारतीय एवं प्रवासी कथा लेखन, डॉ मधु संधु, नमन प्रकाशन, नई दिल्ली

Value Addition Course

BHL-813 R

लघु शोध प्रबन्ध

क्रेडिट-6

पूर्णांक- **100**

अधिगम परिणाम -

- भाषा और साहित्य से जुड़े विषयों पर शोध दृष्टि विकसित हो सकेगी.
- भाषा एवं साहित्य से जुड़े विषयों को नवीन दृष्टिकोण से लघु स्तर पर अनुसन्धान करेंगे.
- नूतन शोध समस्याओं का अनुशीलन कर सकेंगे.
- शोध प्रविधि का औचित्य जान सकेंगे.

नोट- लघु शोध प्रबन्ध प्रश्न पत्र में छात्र-छात्राएं विभागीय शिक्षक के निर्देशन में स्वीकृत विषय पर लघु शोध प्रबन्ध लेखन का कार्य करेंगे.

लघु शोध प्रबन्ध के मूल्यांकन (मौखिकी परीक्षा सहित) हेतु विश्वविद्यालय में सामूहिक रूप से लागू नियमों का पालन किया जाएगा.